

संपादक की कलम



जीते जी सेवा, यही सच्चा श्राद्ध

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे संस्कारों में माँ के चरणों में ममता, त्याग और करुणा का संसार दिखाई देता है, तो पिता के जीवन में परिश्रम, जिम्मेदारी और सुरक्षा की छया। माँ-बाप अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपनी इच्छाओं को पीछे छोड़ देते हैं। वे अपनी जरूरतें कम कर बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं। उनकी खुशियाँ बच्चों की मुस्कान में बसती हैं और उनका जीवन परिवार को सँवारने में बीत जाता है। लेकिन विडंबना यह कि जिस उम्र में उन्हें सबसे अधिक प्रेम, सम्मान और सहारे की आवश्यकता होती है, उसी समय कई बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षा के शिकार हो जाते हैं। हमारे समाज में ब्रह्म, तर्पण और पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों को याद करने की परंपरा है। लोग ब्रह्मापूर्वक भोजन करते हैं, दान देते हैं और धार्मिक कर्मकांड करते हैं। यह परंपरा हमारी सांस्कृतिक स्मृति और पूर्वजों के प्रति कुतूहल का प्रतीक है। लेकिन एक सवाल हमें अपने भीतर जरूर पूछना चाहिए—क्या उस श्रद्धा का अर्थ केवल मृत्यु के बाद के कर्मकांड तक सीमित है? यदि माँ-बाप जीवित हैं और उन्हें दो वक्त की रोटी, सम्मान के दो शब्द तथा अपमाना देने में हम पीछे हट जाते हैं, तो मृत्यु के बाद किया गया भव्य भोज हमारी संवेदनहीनता को कैसे ढक सकता है? आज परिवारों में आर्थिक



ललित शर्मा

संपादक

समृद्धि बढ़ी है, लेकिन कई जगह भावनात्मक समृद्धि कम होती दिखाई देती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, नौकरी, व्यवसाय और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बीच माता-पिता के लिए समय निकालना कठिन समझा जाने लगा है। कई बुजुर्गों को घर में रहते हुए भी अकेलापन महसूस होता है। जिन पिता ने पसीना बहाकर घर बनाया, वही पिता बुढ़ापे में बेटे के व्यस्त जीवन में बाधा समझे जाने लगते हैं। जिन माताओं ने अपनी भूख दबाकर बच्चों को खिलाया, वहीं माँ कभी-कभी अपने ही घर में उपेक्षित हो जाती हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति तब होती है जब जीवित माँ-बाप को ताने मिलते हैं, उनकी आवश्यकताओं को बौझा समझा जाता है और उनकी भावनाओं को महत्व नहीं दिया जाता। मृत्यु के बाद उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाने के लिए लंबी कतार लग जाती है। जीते जी जिनसे बातचीत करने का समय नहीं था, उनके लिए मृत्यु के बाद बड़े-बड़े आयोजन किए जाते हैं। यह विरोधाभास केवल पारिवारिक समस्या नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदना पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। पिता का जीवन अवसर परिवार के लिए संघर्ष की कहानी होता है। सीमित साधनों में उन्होंने बच्चों की शिक्षा, विवाह, घर और भविष्य की चिंता की। अपने सपनों को स्थगित कर बच्चों के सपनों को पूरा किया। माँ ने भी अपने जीवन का बड़ा हिस्सा परिवार की जरूरतों में लगा दिया। बीमारी में रात-रात भर जागना, बच्चों की छेटी-सी खुशी पर खिल उठना और कठिन समय में ढाल बनकर खड़ा होना—माता-पिता के प्रेम का कोई आर्थिक मूल्य नहीं हो सकता। इसलिए बुढ़ापे में उनका सबसे बड़ा अधिकार संपत्ति नहीं, बल्कि सम्मान और अपनाना है। बुढ़ाप्रश्नों की बढ़ती जरूरत भी हमें सोचने के लिए मजबूर करती है। हर बुढ़ाप्रश्न बुरी व्यवस्था का प्रतीक नहीं है। कई बार परिस्थितियाँ ऐसी होती हैं कि बुजुर्गों को विशेष देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन जब बुढ़ाप्रश्न इसलिए चुनना पड़े कि अपने ही बच्चों के पास माता-पिता के लिए समय, धैर्य या सम्मान नहीं है, तब समस्या गंभीर हो जाती है। जिस घर को माता-पिता ने अपने खून-पसीने से बसाया, उसी घर से उनका भावनात्मक विस्थापन हमारे पारिवारिक मूल्यों की परीक्षा है। श्रद्धा का वास्तविक अर्थ केवल अन्न और दान में नहीं, बल्कि श्रद्धा में है। और श्रद्धा केवल मृतकों के लिए नहीं, जीवित माता-पिता के लिए भी होनी चाहिए। कौवे को भोजन कराना, ब्राह्मण को दान देना और धार्मिक अनुष्ठान करना अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यदि घर में बैठी माँ भूखी है, पिता दवा के लिए किसी का इंतजार कर रहे हैं और बच्चे उनसे बात करने तक को तैयार नहीं, तो हमें अपने धर्म और कर्म के अर्थ पर पुनर्विचार करना चाहिए।

कलि की नई विहान

उदय कशोर साह

कविता



रुखसत हो गई भारतीय परिधान

धुमिल हो गई आर्य की पहचान

आधुनिकता में डूब गई सारा जहान

रुखसत हो गई धार्मिक रीति विधान

पूजा पाठ भूल गया है कुछ नादान

धुमिल हो गई धर्म की हमारी.मान

आधुनिकता में डूब गई सारा जहान

रुखसत हो गई मर्यादा और सम्मान

मौन हो गये समाज में ज्ञानी विद्वान

धुमिल हो गई गीता रामायण की ज्ञान

आधुनिकता में डूब गई सारा जहान

रुखसत हो गई हमारी खुद की पहचान

फैशन की चलन बन गई जग में महान

धुमिल हो गई शर्म हया सारे तमाम

आधुनिकता में डूब गई सारा जहान

रुखसत हो गई बुजुर्ग जन की फरमान

नई नई कानून रीति रिवाज बना विधान

धुमिल हो गई इन्सान की फर्ज व काम

आधुनिकता में डूब गई सारा। जहान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया।
।संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।



ललित गर्ग

लेखक

एशियाई खेलों में भारत का चौथे स्थान पर रहना निश्चित रूप से उपलब्धि है, लेकिन विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत के लिए यह उपलब्धि आत्मसंतोष का कारण नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नए संकल्प का अवसर होनी चाहिए। आइ-ची-नागोया एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने 85 पदक-21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य-जीतकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। एशिया जैसे खेल महाशक्ति वाले महाद्वीप में शीर्ष चार देशों में स्थान बनाना सामान्य उपलब्धि नहीं है। फिर भी प्रश्न यह है कि जब चीन और जापान जैसे देश हमसे आगे हैं, तब भारत प्रथम और द्वितीय स्थान तक कब पहुंचेगा? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जिस भारत को हम आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामरिक शक्ति के रूप में विश्व का अग्रिम पंक्ति में देखना चाहते हैं, उसकी खेल शक्ति अभी भी अपेक्षित ऊंचाइयों



डॉ विजय गर्ग

लेखक

मानव जिज्ञासा हमेशा दो दिशाओं में आगे बढ़ती रही है—भीतर की ओर और बाहर की ओर। हम पृथ्वी, तारों, आकाशगंगाओं, ग्रहों और विशाल ब्रह्मांड को समझने के लिए बाहर की ओर देखते हैं। साथ ही, अपने विचारों, भावनाओं, स्मृतियों, चेतना, सपनों और पहचान को समझने के लिए भीतर की ओर भी देखते हैं।

ये दोनों यात्राएँ अलग-अलग दिखाई दे सकती हैं, लेकिन मिलकर वे मानवता की सबसे पुरानी खोजों में से एक को व्यक्त करती हैं—हम कौन हैं और इस ब्रह्मांड में हमारा स्थान कहाँ है?

हमारे बाहर का ब्रह्मांड

जब हम रात के आकाश की ओर देखते हैं, तो हम एक विशाल ब्रह्मांडीय वास्तविकता का केवल एक छोटा-सा हिस्सा देख पाते हैं। आधुनिक खगोल विज्ञान ने दिखाया है कि ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएँ हैं और प्रत्येक आकाशगंगा में असंख्य तारे हैं। हमारी

तक क्यों नहीं पहुंच पाई है? एशियाड के पदक हमें दो अलग-अलग तस्वीरें दिखाते हैं। पहली तस्वीर उत्साह जगाती है। तीरंदाजी में नौ पदक, जिनमें पांच स्वर्ण शामिल हैं, भारतीय प्रतिभा की मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। कुमुकुम मोहोद का रिकर्व वर्ग में व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करना, प्रणवी उर्स का व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनना तथा बाँव्हिरा और कुशर्मा ने स्वर्णिम प्रदर्शन हमारी खेल प्रतिभा की व्यापकता को दर्शाता है। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा भी कायम रहा। महिला हॉकी टीम की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मौजूदा चौथियन चीन को हराकर स्वर्ण पदक हासिल करना केवल एक पदक नहीं, बल्कि चार पदकों से अधिक समय से चलने आ रहे इंतजार का अंत है। यह जीत बताती है कि जब प्रतिभा, अनुशासन, सामूहिक भावना और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता एक साथ आती है तो भारतीय खिलाड़ी किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चुनौती दे सकते हैं। लेकिन दूसरी तस्वीर आत्ममंथन की मांग करती है। एथलेटिक्स में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ। निशानेबाजी, जिसे भारत की पदक संभावनाओं का मजबूत आधार माना जाता है, भी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतरी। पिछली बार के मुकाबले कुल पदकों और स्वर्ण पदकों में कमी भी गंभीर संकेत है। इसलिए चौथा स्थान



हमारी मंजिल नहीं, अगली छलांग का पड़ाव होना चाहिए।भारत और चीन-जापान के बीच अंतर को केवल पदक तालिका से नहीं समझा जा सकता। खेलों में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए वर्षों तक चलने वाली वैज्ञानिक योजना, जमीनी स्तर से प्रतिभा खोज, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, पोषण, मानसिक मजबूती, चिकित्सा सहायता और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का निरंतर अनुभव जरूरी होता है।

चीन ने खेलों को राष्ट्रीय शक्ति के एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में विकसित किया है। जापान ने खेल संस्कृति को शिक्षा, अनुशासन और जीवनशैली से जोड़ा है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी विशाल युवा आबादी को केवल संभावित खिलाड़ियों की संख्या के रूप में न देखे, बल्कि उसे विश्वस्तरीय खेल प्रतिभा में बदलने का तंत्र विकसित करे। भारत में प्रतिभा की कोई कमी

अंतरात्मा और बाहरी ब्रह्मांड की खोज

पृथ्वी एक छोटा-सा ग्रह है, जो एक आकाशगंगा में स्थित एक सामान्य तारे की परिक्रमा कर रहा है। फिर भी इसी छोटे से ग्रह पर ऐसा जीवन विकसित हुआ है, जो ब्रह्मांड की ओर देखकर उसकी उत्पत्ति के बारे में प्रश्न पूछ सकता है। दूरबीनों ने हमें दूरस्थ आकाशगंगाओं, तारों और ग्रहों को देखने में सक्षम बनाया है। अंतरिक्ष अभियानों ने चंद्रमा, मंगल और अन्य खगोलीय पिंडों का अध्ययन किया है। वैज्ञानिक आज भी ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास के संकेतों की खोज कर रहे हैं। हर नई खोज हमें याद दिलाती है कि ब्रह्मांड हमारे दैनिक अनुभव से कहीं अधिक विशाल और अजुब है।

हमारे भीतर का ब्रह्मांड

जब दूरबीनें बाहरी ब्रह्मांड की खोज कर रही हैं, उसी समय हमारे बहुत करीब एक और अद्भुत संसार मौजूद है—मानव मस्तिष्क। मस्तिष्क में अरबों न्यूरॉन्स होते हैं, जो एक अत्यंत जटिल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े रहते हैं। यही हमें सीखने, याद रखने, कल्पना करने, संवाद करने, संगीत रचने, गणितीय समस्याएं हल करने और अपने अस्तित्व पर विचार करने में सक्षम बनाता है। लेकिन अभी भी अनेक रहस्य अस्पष्टलझे हैं। चेतना कैसे उत्पन्न होती है? स्मृतियाँ कैसे बनती हैं? हम सपने क्यों देखते हैं? भावनाएं हमारे निर्णयों को कैसे प्रभावित करती हैं? मस्तिष्क हमारी पहचान की भावना कैसे बनाता है? ये प्रश्न बताते हैं कि मनुष्य को समझना



भी दूरस्थ आकाशगंगाओं को समझने जितना ही चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

भीतर और बाहर की दुनिया का संबंध

बाहरी ब्रह्मांड और हमारा आंतरिक संसार पूरी तरह अलग नहीं हैं। ब्रह्मांड के बारे में हमारा ज्ञान इसलिए संभव हुआ है क्योंकि मानव मस्तिष्क उसे देखता, मापता, गणना करता और उसकी व्याख्या करता है। हर दूरबीन, अंतरिक्ष यान और वैज्ञानिक समीकरण अंततः मानव जिज्ञासा और बुद्धि की अभिव्यक्ति है। इसी तरह, अपने बारे में हमारी समझ भी हमारे आसपास की दुनिया के साथ हमारे संबंधों से प्रभावित होती है।

प्रकृति, समाज, संस्कृति, रिश्ते और जीवन के अनुभव हमारे विचारों और पहचान को आकार देते हैं। इस अर्थ में, बाहर की यात्रा और भीतर की यात्रा लगातार एक-दूसरे को प्रभावित करती हैं।

विज्ञान और आत्म-खोज

विज्ञान हमें धारणाओं पर प्रश्न उठाने और प्रमाणों की जांच करने के लिए प्रेरित करता है। ये आदतें केवल भौतिक संसार को समझने के लिए ही नहीं, बल्कि स्वयं को समझने के लिए भी उपयोगी हैं। आत्म-खोज तब शुरू होती है जब हम अपने विचारों और व्यवहार के प्रति जिज्ञासु होते हैं। हम समान परिस्थितियों में अलग-अलग प्रतिक्रिया क्यों करते हैं? हमारे निर्णयों को कौन-सी चीजें प्रभावित करती हैं? कौन-से डर हमें सीमित करते हैं? कौन-से मूल्य हमारा मार्गदर्शन करते हैं?

हमारे जीवन को अर्थ क्या देता है? इन प्रश्नों के हमेशा सरल उत्तर नहीं होते। लेकिन इन्हें पूछना हमें अधिक आत्म-जागरूक बना सकता है। आत्म-जागरूकता का अर्थ यह मानना नहीं है कि हम अपने बारे में सब कुछ जानते हैं। इसका अर्थ है स्वयं को ईमानदारी से देखने और लगातार

यह नहीं पूछना चाहिए कि भारत कितने पदक जीत सकता है, बल्कि यह पूछना चाहिए कि भारत कितन खेलों में विश्व की शीर्ष शक्ति बन सकता है। हमें पदक-केन्द्रित सोच से आगे बढ़कर खेल-परिस्थितिकी तंत्र यानी ऐसी पूरी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभा की खोज से लेकर उसके अंतरराष्ट्रीय करियर तक हर चरण की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। भारत में खेल और शिक्षा को लंबे समय तक एक-दूसरे का विकल्प समझा गया। यह सोच बदलनी होगी। खेल किसी विद्यार्थी को पढ़ाई में बाधा नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम हैं। विद्यालयों में खेल के घंटे, प्रशिक्षित कोच, आधुनिक मैदान और फिटनेस कार्यक्रम अनिवार्य होने चाहिए। यदि किसी बच्चे में असाधारण प्रतिभा दिखाई देती है तो उसकी आर्थिक स्थिति उसके भविष्य की बाधा नहीं बननी चाहिए। सरकार, निजी क्षेत्र, खेल संस्थाओं और कॉर्पोरेट जगत को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रशिक्षण, उपकरण, पोषण, यात्रा और प्रतियोगिताओं के लिए आर्थिक सुरक्षा मिल सके। भारत की अगली चुनौती केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि लगातार चैम्पियन तैयार करना है। एक खिलाड़ी की सफलता के बाद उसी खेल में अगली पीढ़ी तैयार होनी चाहिए। इसके लिए खेल विज्ञान को प्रशिक्षण का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। आधुनिक फिटनेस, डेटा

सीखते रहने के लिए तैयार होना।

मौन और चिंतन की भूमिका

आधुनिक जीवन सूचनाओं, नोटिफिकेशन, बातचीत और लगातार डिजिटल उतेजना से भरा हुआ है।ऐसे वातावरण में मौन का महत्व और बढ़ गया है। कुछ क्षण शांत चिंतन करने से व्यक्ति अपने विचारों को तुरंत प्रतिक्रिया दिए बिना देख सकता है। पढ़ना, लिखना, प्रकृति में टहलना, ध्यान करना या कुछ समय स्क्रीन से दूर रहना आत्म-चिंतन के अवसर पैदा कर सकता है। इसका उद्देश्य दुनिया से भागना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ अपने संबंध को समझना है। कभी-कभी हमें बाहर से शांत होना पड़ता है, ताकि हम अपने भीतर चल रही आवाज को सुन सकें।

प्रकृति एक शिक्षक के रूप में

प्रकृति आंतरिक और बाहरी संसार के बीच एक और पुल बनाती है। एक जंगल हमें परस्पर निर्भरता सिखाता है। एक नदी हमें निरंतर गति का पाठ पढ़ाती है। बदलता हुआ आकाश याद दिलाता है कि कुछ भी हमेशा एक जैसा नहीं रहता।

पौधों और जीवों का जीवन-चक्र अनुकूलन, विकास और पुनर्नवीकरण का संदेश देता है। प्रकृति का वैज्ञानिक अवलोकन ज्ञान पैदा करता है, जबकि उसका चिंतनपूर्ण अवलोकन चिन्मग्नता भी सिखा सकता है। जितना अधिक

विश्लेषण, बायोमैकेनिक्स, स्पोर्ट्स मेडिसिन, मनोविज्ञान और पोषण विज्ञान को भारतीय खेल व्यवस्था में व्यापक रूप से शामिल करना होगा। मानसिक मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिभा के साथ दबाव सभालने की क्षमता निर्णायक बनती है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए खेल मनोवैज्ञानिकों और मानसिक प्रशिक्षकों की नियमित व्यवस्था आवश्यक है। किसी खिलाड़ी की एक प्रतियोगिता में असफलता को उसकी क्षमता का अंतिम प्रमाण मानने के बजाय उसे सीखने और वापसी का अवसर दिया जाना चाहिए। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने हाल के वर्षों में जिस प्रकार अपनी क्षमता सिद्ध की है, वह भारत के खेल भविष्य की सबसे सकारात्मक तस्वीरों में से एक है। महिला हॉकी की स्पर्धिनामकता इसका ताजा उदाहरण है। तीरंदाजी, मुक्केबाजी, कुश्ती, एथलेटिक्स, गोल्फ और अन्य खेलों में भी बेटियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। अब जरूरत है कि ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों की बेटियों को खेलों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। सुरक्षित खेल परिसर, महिला प्रशिक्षक, क्लब्स और परिवारों में खेल के प्रति सकारात्मक वातावरण इस दिशा में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। भारत की आधी आबादी को खेल शक्ति में पूरी तरह शामिल किए बिना हमारी खेल महाशक्ति बनने का सपना अधूरा रहेगा।

हम प्रकृति को समझते हैं, उतना ही स्पष्ट होता जाता है कि मनुष्य एक बहुत बड़ी व्यवस्था का हिस्सा है।

अर्थ की खोज

वैज्ञानिक ज्ञान ब्रह्मांड के काम करने के अनेक तरीकों को समझा सकता है, लेकिन मनुष्य अर्थ से जुड़े प्रश्न भी पूछता है। हम यहां क्यों हैं? जीवन को सार्थक क्या बनाता है? अन्य मनुष्यों और प्राकृतिक संसार के प्रति हमारी क्या जिम्मेदारियाँ हैं? ये प्रश्न विज्ञान के साथ-साथ दर्शन, नैतिकता और व्यक्तिगत चिंतन से भी जुड़े हैं।

तकनीकी रूप से उन्नत समाज को भी विवेक और बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है। ज्ञान हमें बताता है कि क्या संभव हो सकता है।विवेक हमें सोचने में मदद करता है कि उस ज्ञान का उपयोग कैसे किया जाना चाहिए।

तकनीक और मानव स्वयं

तकनीक ने ब्रह्मांड और स्वयं को समझने की हमारी क्षमता को बढ़ाया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता बड़ी मात्रा में जानकारी को संसाधित कर सकती है। ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस मस्तिष्क और मशीनों के बीच संवाद की नई संभावनाएं खोल रहे हैं। आधुनिक इमेजिंग तकनीकें शोधकर्ताओं को जैविक प्रक्रियाओं का अधिक विस्तार से अध्ययन करने में सहायता कर रही हैं। लेकिन तकनीक हमें स्वयं से दूर भी कर सकती है।

राष्ट्रीय एकता की रक्षा, मतदान, करों का ईमानदारी से भुगतान, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा तथा अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना भी राष्ट्रसेवा के ही स्वरूप हैं। एक शिक्षक का ज्ञान, किसान का श्रम, वैज्ञानिक का अनुसंधान, चिकित्सक की सेवा और सैनिक का बलिदान—सभी मिलकर राष्ट्र की शक्ति की निर्माण करते हैं।

भारत का इतिहास ऐसे असंख्य महापुरुषों से आलोकित है जिन्होंने अपने जीवन के सर्वोत्तम चरणों में अर्पित कर दिया। महाराणा प्रताप ने स्वाभिमान के लिए कठिनाइयाँ स्वीकार कीं, छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की स्थापना का स्वप्न साकार किया, रानी लक्ष्मीबाई ने अदम्य साहस का परिचय दिया। मंगल पांडे, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशाफाक उल्ला खाँ, सुखदेव, राजगुरु, खुदीराम बोस और नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अपने रक्त से स्वतंत्रता का इतिहास लिखा। नेताजी का उद्घोष तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा यह राष्ट्रभक्ति का अमर मंत्र है। स्वतंत्र भारत में भी यह परंपरा अखिल रही। कैप्टन विक्रम बत्रा का उद्घोष ये दिल माँग मोर केवल युद्ध का नाग नहीं, बल्कि मातृभूमि के सजीव प्रतीक है।सविधान का सम्मान,



गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की बदमाशों से फिर मुठभेड़, तीन घायल समेत छह गिरफ्तार



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। थाना प्रभारी देवेंद्र बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चार दिन के भीतर दूसरी बार मुठभेड़ में बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आज हुई मुठभेड़ में गोकशी की वारदात को

अंजाम देने की फिराक में पहुंचे छह बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया, जिनमें जवाबी कार्रवाई के दौरान तीन बदमाश घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, गढ़मुक्तेश्वर पुलिस गश्त एवं चेंकिंग कर रही थी। इसी दौरान ग्राम पावटी स्थित आम के बाग में गोकशी की तैयारी कर रहे बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। आत्मरक्षार्थ की गई

जवाबी फायरिंग में तीन बदमाश घायल हुए, जबकि पुलिस ने छह बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से एक जीवित प्रतिबंधित पशु, तीन अवैध असलहे, जिंदा एवं खोखा कारतूस, होंडा सिटी कार, मोटरसाइकिल तथा पशु कटान के उपकरण बरामद किए गए हैं। गौरतलब है कि थाना प्रभारी देवेंद्र बिष्ट के नेतृत्व में चार दिन पहले



भी गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इसके बाद अब एक बार फिर पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हुई है। लगातार हो रही पुलिस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर पुलिस की सक्रियता सामने आ रही है। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों की पहचान नईम, जमील, बिलाल, मोहम्मद

परवेज, सोनू और आहत के रूप में की है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न जनपदों में गोकशी, हत्या के प्रयास, चोरी, गैंगस्टर एक्ट एवं आमर्स एक्ट समेत करीब चार दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सेहत के साथ खिलवाड़ ! हापुड़ के नामचीन रेस्टोरेंट के खाने में निकले कीड़े मैनेजर बोला-ये तो होता रहता है



वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में क्या आप भी बाहर का खाना बड़े चाव से खाते हैं। सावधान हो जाइए ! गढ़मुक्तेश्वर के अठरसैनी रोड स्थित रेस्टोरेंट से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे देखकर आपका बाहर के खाने से भरोसा उठ जाएगा। न्यायालय से घर लौट रही एक युवती

ने जब इस रेस्टोरेंट में नूडल्स ऑर्डर किए, तो उसमें एक-दो नहीं बल्कि कई कीड़े मरे हुए मिले, जिसमें एक कीड़ा करीब 1 इंच लंबा था। हैरानी की बात तब हुई जब पीड़िता ने इसकी शिकायत की। रेस्टोरेंट के गैर-जिम्मेदार स्टाफ और मैनेजर ने अपनी गलती मानने के बजाय पीड़िता के साथ ही बदतमीजी शुरू कर दी। स्टाफ का कहना था कि खाने में कीड़े

आ ही जाते हैं। रेस्टोरेंट की इस दबंगई और चोर लापरवाही के बाद पीड़िता ने तुरंत 112 पुलिस को कॉल कर मौके पर बुलाया। युवती ने रेस्टोरेंट के पूरे स्टाफ के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के लिए तहरीर दी है और खाने का वीडियो भी पुलिस को सौंपा गया है। अब देखना यह है कि खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस प्रशासन इस रेस्टोरेंट पर क्या एक्शन लेता है।

उपमजिस्ट्रेट की अपील पुलिस अमिरक्षा में मौत की पन्द्रह दिन में दो जानकारी, पहचान रहेगी गुप्त

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जांच अधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट लालगंज द्वारा पुलिस अभिरक्षा में अभियुक्त की मृत्यु के संबंध में मजिस्ट्रियल जांच की जा रही है। इस संबंध में सर्वसाधारण से घटना के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी, साक्ष्य, तथ्य अथवा प्रत्यक्षदर्शी विवरण उपलब्ध होने पर प्रस्तुत करने की अपील की गई है। उप जिला मजिस्ट्रेट लालगंज कार्यालय से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ के पत्र संख्या पीई-283/2026 दिनांक 21 सितंबर 2026 के क्रम में अभियुक्त शैलेश उर्फ अर्जुन पुत्र लल्लू हरिजन निवासी ग्राम मोलनापुर, थाना पट्टी, जनपद प्रतापगढ़ को दिनांक 21 सितंबर 2026 को विवेचना कक्ष के बाथरूम में फांसी लगाए जाने के बाद उसी दिन मृत्यु हो गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा उप जिला

मजिस्ट्रेट लालगंज को मजिस्ट्रियल जांच अधिकारी नामित किया गया है। उप जिला मजिस्ट्रेट लालगंज ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा संगठन को उक्त घटना के संबंध में कोई जानकारी, साक्ष्य, तथ्य अथवा प्रत्यक्षदर्शी विवरण ज्ञात हो, तो वह सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस में पूर्वान्ह 10 बजे से अपराह्न 5 बजे तक न्यायालय उप जिला मजिस्ट्रेट लालगंज में उपस्थित होकर अथवा लिखित रूप में अपनी जानकारी/साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है। जांच से संबंधित व्यक्ति निःसंकोच अपनी सूचना उपलब्ध करा सकते हैं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। उप जिला मजिस्ट्रेट ने आमजन से अपील की है कि घटना से संबंधित किसी भी तथ्य या जानकारी को छिपाने के बजाय जांच अधिकारी तक पहुंचाएं, ताकि पूरे मामले की निष्पक्षता के साथ जांच की जा सके।

बिस्तर पर सो रही छात्रा को सांप ने डसा, मौत

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जेतवारा थाना क्षेत्र के गोपालगंज भावनपुर डेरवा गांव में दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां बिस्तर पर सो रही कक्षा चार की छात्रा को जहरीले सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन आनन-फानन में उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद छात्रा की जान नहीं बच सकी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में भी मातम का माहौल है। गोपालगंज भावनपुर डेरवा निवासी महेश जायसवाल की बेटी सेजल जायसवाल डेरवा क्षेत्र स्थित लॉजिकल मेमोरियल स्कूल में कक्षा चार की छात्रा थी। बताया गया कि परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य है और सेजल के पिता विभिन्न मेलों में कॉस्मेटिक की दुकान लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार के लिए बेटी की अचानक हुई मौत किसी



बड़े सदमे से कम नहीं है। परिजनों के अनुसार सेजल रात में अपने बिस्तर पर सो रही थी। इसी दौरान किसी जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सुबह घटना की जानकारी होने के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तत्काल छात्रा को लेकर लालगंज ट्रामा सेंटर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर

दिया। परिजन छात्रा को लेकर जिला चिकित्सालय पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बेटी की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। आसपास के लोगों और रिश्तेदारों ने परिवार को ढाढस बंधाया। घटना की सूचना मिलने पर जेतवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। सेजल की मौत की जानकारी मिलने के बाद उसके विद्यालय में भी शोक की लहर दौड़ गई। विद्यालय प्रबंधन ने छात्रा की असामयिक मौत पर शोक व्यक्त करते हुए एक दिन का अवकाश घोषित किया। छात्रा के सहपाठियों और शिक्षकों ने भी उसके निधन पर दुख जताया। घटना ने पूरे क्षेत्र के लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। श्री रामलीला समिति (रंज.), हापुड़ द्वारा श्री रामलीला महोत्सव 2026-27 के शुभारंभ के अवसर पर सोमवार को नगर में भव्य रावण दिग्विजय यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रावण दिग्विजय यात्रा रामलीला की प्राचीन एवं महत्वपूर्ण परंपरा का हिस्सा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह यात्रा लंकेश रावण की शक्ति, वैभव और उसके दिग्विजय अभियान का प्रतीकात्मक चित्रण प्रस्तुत करती है। व्यास पवनदेव चतुर्वेदी ने बताया कि रावण ने अपने पराक्रम और सामर्थ्य के बल पर अनेक राजाओं एवं राज्यों पर विजय प्राप्त की थी। इसी धार्मिक प्रसंग को रामलीला परंपरा में भव्य यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। रावण को महान विद्वान, शिवभक्त और शक्तिशाली योद्धा के रूप में भी जाना जाता है, लेकिन उसके चरित्र



का प्रमुख संदेश यह है कि ज्ञान, शक्ति और सामर्थ्य यदि अहंकार एवं अधर्म के मार्ग पर चले जाएं तो उनका अंत निश्चित है। रावण दिग्विजय यात्रा इसी संदेश को जनमानस तक पहुंचाती है। समिति के प्रधान विनोद कुमार वर्मा ने बताया कि यात्रा का

उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि रामलीला की कथा और उसके नैतिक संदेश को समाज तक पहुंचाना भी है। रावण के माध्यम से जहां शक्ति एवं सामर्थ्य का प्रदर्शन दिखाई देता है, वहीं भगवान श्रीराम के चरित्र के माध्यम से सत्य, मर्यादा, त्याग, कर्तव्य और धर्म का संदेश दिया जाता है। यात्रा में रावण का भव्य स्वरूप, पारंपरिक वेशभूषा, धार्मिक ध्वज, आकर्षक झांकियां एवं रामलीला से जुड़े पात्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। मार्ग में नगरवासियों ने यात्रा का स्वागत किया और श्रद्धालुओं ने

धार्मिक उत्साह के साथ सहभागिता की। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि रावण दिग्विजय यात्रा के साथ श्री रामलीला महोत्सव की धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का शुभारंभ हो गया है। आने वाले दिनों में विभिन्न रामलीला प्रसंगों का मंचन किया जाएगा, जिनके माध्यम से नगरवासियों को भगवान श्रीराम के जीवन एवं आदर्शों का संदेश दिया जाएगा। समिति ने यात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने वाले प्रशासन, पुलिस विभाग, नगरवासियों, श्रद्धालुओं एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समिति के देवेन्द्र कुमार, रविंद्र गुप्ता, अनिल गोपाल गोयल भैरो, नन्हे मल ठेकेदार, विनोद कुमार वर्मा, उमेश अग्रवाल, शुभम गोयल एडवोकेट, सुयश वशिष्ठ, विमल वर्मा, हरि प्रकाश ज़िंदल, राजकुमार गर्ग, प्रदीप सोनी, नवीन गुप्ता, अंकुर गर्ग, रितिक त्यागी, गौरव बजरंगी एवं विवेक सिंघल सहित अन्य पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आभा गांव की साक्षी ने कराटे में जीता स्वर्ण पदक, गांव में खुशी की लहर

अंतर-महाविद्यालय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन, प्रधानाचार्य ने मेडल पहनाकर किया सम्मानित

वेलकम इंडिया/राजीव चौधरी

सहारनपुर। जनपद सहारनपुर के ब्लॉक बलियाखेड़ी के गांव आभा निवासी छात्रा साक्षी ने अंतर-महाविद्यालय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। साक्षी की इस उपलब्धि की खबर मिलते ही गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों और परिजनों ने साक्षी की सफलता पर खुशी जताते हुए उसे बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बताया गया कि विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कैराना की ओर से अंतर-महाविद्यालय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। साक्षी ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और



आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साक्षी की शानदार उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. ओमप्रकाश बेनीवाल ने उन्हें स्वर्ण

पदक पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने साक्षी के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खेलों में सफलता हासिल करने के लिए प्रतिभा के साथ निरंतर अभ्यास, अनुशासन और

मेहनत जरूरी है। उन्होंने साक्षी को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्वर्ण पदक जीतने के बाद साक्षी के अपने गांव आभा पहुंचने पर ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने साक्षी की उपलब्धि को पूरे गांव के लिए गौरव का विषय बताया। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि गांव की बेटी ने कराटे के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। साक्षी की सफलता से अन्य युवाओं को भी खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। साक्षी के हेर सिंह और कांता भारती की पुत्री हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया। साक्षी ने कहा कि परिवार और शिक्षकों से मिले प्रोत्साहन तथा मार्गदर्शन ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा

दी। उन्होंने कहा कि उनका अगला लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करना है। साक्षी की उपलब्धि पर ग्राम प्रधान बलविंदर सिंह, चौधरी विनोद कुमार भारती, किसान यूनियन के राजकुमार चौधरी, सुधीर कुमार, सरदार प्रताप सिंह, बबलू कुमार, प्रधानाध्यापक नीरज शर्मा, साक्षी की माता कांता भारती सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। साक्षी ने साक्षी को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों ने कहा कि साक्षी की सफलता से गांव की अन्य बेटियों में भी खेलों के प्रति उत्साह बढ़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि साक्षी आने वाली प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेंगी।

लोकतंत्र और संविधान बचाने को कांग्रेस का अभियान

‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ मार्च के जरिए जनता के बीच पहुंचेगी कांग्रेस

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखीमपूर खीरी। भारत निर्वाचन आयोग के कामकाज और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने प्रदेशभर में जनजागरूकता अभियान चलाने की तैयारी की है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने जिला और शहर कांग्रेस कमिटीयों को 2 से 8 अक्टूबर 2026 तक ‘लोकतंत्र बचाओ-संविधान बचाओ’ और ‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ के संदेश के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत जिला, ब्लॉक और वार्ड स्तर तक कार्यक्रम आयोजित कर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और जनता के बीच माताधिकार व लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर संवाद स्थापित करने की योजना है। कांग्रेस ने अभियान में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों की भी साथ जोड़ने के निर्देश दिए हैं। अभियान के प्रथम चरण में जिला स्तर पर इंडिया गठबंधन



के सहयोगी दलों के साथ संयुक्त बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके बाद ब्लॉक और वार्ड स्तर पर भी बैठकें कर स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार कार्यक्रमों का प्रदर्शन दिखाई देगा। अभियान के तहत इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ जिला स्तरीय ‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ मार्च निकाला जाएगा। इसमें ‘लोकतंत्र बचाओ-संविधान बचाओ’ और ‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ जैसे संदेशों के

जरिए लोगों को जागरूक करने की तैयारी है। कांग्रेस ने मार्च में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं और गठबंधन के प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने अभियान के कार्यक्रमों और मुद्दों को जनता तक पहुंचाने के लिए मीडिया और प्रचार-प्रसार विभाग को सक्रिय भूमिका निभाने को कहा है। जिला और शहर कांग्रेस कमिटीयों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार कार्यक्रम तय कर उन्हें जनसंपर्क अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी: सीएम धामी

गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत मुख्यमंत्री ने किया श्रमदान ,स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का दिया संदेश

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के साथ-साथ अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छता केवल किसी अभियान या विशेष कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे प्रत्येक नागरिक को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह बात ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब परिसर में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए स्वयं श्रमदान किया और गुरुद्वारा परिसर में साफ-सफाई की। उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि



सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने में हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने इससे पहले गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में मत्था टेककर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री को सरोपा एवं स्मृति चिह्न भेंट किया गया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड धार्मिक और

पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखना सरकार के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि केवल मंदिर, गुरुद्वारे और अन्य धार्मिक स्थलों में ही नहीं, बल्कि बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, सरकारी



कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वच्छता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण से लोगों में सकारात्मक संदेश जाता है और प्रदेश की छवि भी बेहतर होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस 17 सितंबर से प्रदेश में शुरू किए गए ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत सेवा, जनभागीदारी, संवाद और

नवाचार से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी अभियान की सफलता तभी संभव है, जब उसमें आम जनता की सक्रिय भागीदारी हो। स्वच्छता को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें अपने आसपास साफ-सफाई



रखने के लिए प्रेरित किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि अपने घर के साथ आसपास के क्षेत्र को भी स्वच्छ रखने का संकल्प ले तो इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खुदीमा के आंगनबाड़ी केंद्र गोसीकुआ भुड़ाई में आयोजित ‘आंगन मिलन’ कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने

बच्चों, गर्भवती महिलाओं, माताओं तथा आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों और महिलाओं से बातचीत करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित योजनाओं के लाभ के बारे

में भी जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक बाल विकास सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इन क्षेत्रों में संचालित योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना आवश्यक है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मोर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह दुरना, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार जोगेंद्र सिंह, महासचिव सरदार अमरजीत सिंह बोपराय, जिलाधिकारी नितिन सिंह भट्टाौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी सहित गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जसाला सीएचसी में लगा मेगा स्वास्थ्य शिविर , 39 मरीजों की हुई स्वास्थ्य जांच



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसाला में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन एमएलसी विरेंद्र सिंह एवं उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि डॉ. तुनीय कुमार सक्सेना ने किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय अग्रवाल के निर्देशन में आयोजित शिविर में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेंद्र

चौहान ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी। शिविर में पहुंचे मरीजों की चिकित्सकीय जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया। ग्रामीणों को सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. करण चौधरी, ग्राम प्रधान रणवीर सिंह समेत चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। स्वास्थ्य परीक्षण टीम ने कुल 39 मरीजों की जांच की गई।

गोकुल की बेटी ने थाईलैंड में बढ़ाया ब्रज का गौरव, अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में डॉ. अंजना तिवारी ने प्रस्तुत किया शोधपत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। ब्रजभूमि की प्रतिभा ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान दर्ज कराई है। गोकुल, मथुरा की मूल निवासी डॉ. अंजना तिवारी ने थाईलैंड के बैंकॉक स्थित सिल्लपाकोर्न विश्वविद्यालय में आयोजित वैश्विक संस्कृत सम्मेलन-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व कर ब्रज का गौरव बढ़ाया।

28 से 30 सितंबर तक आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों के संस्कृत विद्वानों, शोधार्थियों और भारतीय ज्ञान परंपरा के विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य विषय ‘भारतीय ज्ञान परंपरा : संस्कृतियों और ज्ञान परंपराओं के बीच एक सेतु’ था। सम्मेलन में भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत साहित्य, दर्शन और संस्कृति से जुड़े विभिन्न विषयों पर विद्वानों ने अपने शोध और विचार प्रस्तुत किए। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन



में डॉ. अंजना तिवारी का शोधपत्र ‘कथा परंपराएं और दार्शनिक विमर्श : भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में भागवत पुराण में कपिल और देवदूति का संवाद’ स्वीकार किया गया। उन्होंने सम्मेलन में अपने शोधपत्र को प्रस्तुत करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित दार्शनिक चिंतन, कथा परंपरा और संस्कृत साहित्य की समृद्ध विरासत को अंतरराष्ट्रीय विद्वत समाज के सामने रखा। सम्मेलन के दौरान संस्कृत भाषा, भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा के

प्रचार-प्रसार तथा संस्कृत के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. अंजना तिवारी को ‘संस्कृत रत्न सम्मान’ से सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर शोधपत्र प्रस्तुति के साथ यह सम्मान उनकी शैक्षणिक एवं शोध यात्रा की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। डॉ. अंजना तिवारी वर्तमान में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग में सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत हैं। विशेष

बात यह है कि वे अपने गांव से पीएचडी करने वाली पहली महिला हैं। गोकुल की सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर अंतरराष्ट्रीय अकादमिक मंच तक पहुंचने की उनकी यात्रा क्षेत्र की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। डॉ. अंजना ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों, माता-पिता और परिवार को दिया है। उनका कहना है कि परिवार और गुरुजनों से मिले संस्कार एवं मार्गदर्शन ने उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। गोकुल की बेटी की इस उपलब्धि से गोकुल, मथुरा और संपूर्ण ब्रज क्षेत्र में हर्ष और गौरव का वातावरण है। संस्कृत और भारतीय ज्ञान परंपरा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित करने में डॉ. अंजना तिवारी का यह प्रयास ब्रज की उस विद्वत परंपरा की निरंतरता को भी रेखांकित करता है, जिसने सदियों से भारतीय संस्कृति, दर्शन और साहित्य को समृद्ध किया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत श्रमिकों को योजनाओं की दी गई जानकारी



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। खंड विकास कार्यालय में श्रम विभाग शामिल की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और असंगठित कर्मकारों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। समाज कल्याण अनिल कुमार, अमन रहेला, ठेकेदार मुबारिक जंग, सर्वेज जंग, सुफियान जंग सहित बड़ी संख्या में श्रमिक मौजूद रहे।

बताया कि श्रमिकों को प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मानधन पेंशन योजना और श्रम योगी मानधन पेंशन योजना समेत अन्य योजनाओं की पात्रता, पंजीकरण प्रक्रिया और मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने पात्र श्रमिकों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर एडीओ समाज कल्याण अनिल कुमार, अमन रहेला, ठेकेदार मुबारिक जंग, सर्वेज जंग, सुफियान जंग सहित बड़ी संख्या में श्रमिक मौजूद रहे।

कंपोजिट विद्यालय डिघवा में डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन सम्पन्न

ज्ञान का डिजिटल संसार, उज्ज्वल भविष्य की ओर: गणेश प्रसाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। खंड शिक्षा अधिकारी सेमरियावा आशीष कुमार सिंह की प्रेरणा से विकास खंड सेमरियावा के कंपोजिट विद्यालय डिघवा में नवस्थापित डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन सोमवार को एकेडमिक रिसोर्स पर्सन गणेश प्रसाद चौरसिया एवं नोडल संकुल शिक्षक जफरी अली करखी ने किया। उदघाटन के अवसर पर गणेश प्रसाद चौरसिया ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अध्ययन की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य बच्चों को ई-बुक्स, डिजिटल शैक्षिक सामग्री एवं इंटरनेट आधारित अध्ययन संसाधनों से जोड़ना है। नोडल संकुल शिक्षक जफरी अली ने कहा कि ‘ज्ञान का डिजिटल संसार, उज्ज्वल भविष्य की ओर’ की भावना



के साथ विद्यालय में शिक्षा को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने का प्रयास किया जा रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर हैं और विभाग द्वारा

विद्यार्थियों के लिए अनेक शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानाध्यापक संचित कुमार जायसवाल ने अपनी तरफ से डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित कर

बेहतरीन उदहरण पेश किया है। प्रभारी प्रधानाध्यापक संचित कुमार जायसवाल ने कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शिक्षक हट्ट संकल्पित हैं। डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ विभिन्न डिजिटल शैक्षिक संसाधनों का लाभ मिलेगा। उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर विद्यालय परिवार में बहुत उत्साह रहा। इस अवसर पर जफरी अली, गणेश प्रसाद चौरसिया, परमोद चौरसिया, संचित कुमार जायसवाल, कृष्ण राव, अब्दुल्लाह, कमल अहमद, इरितयाक अहमद, प्रमोद पाण्डेय, अमित यादव, जफर आलम, अब्दुस्सलाम, जगदीश प्रसाद नीलम देवी, ऊषा चौधरी, मंजू देवी, कुसुम देवी आदि शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। सभी सूचित कुमार जायसवाल की प्रशंसा की।

माई ने माई पर किया चाकू से हमला मुकदमा दर्ज

कांथला। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा में शराब के नशे में हुए विवाद के दौरान एक भाई ने दूसरे भाई पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र गांव भभीसा निवासी रश्मि ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विगत तीन अक्तूबर की शाम करीब साढ़े सात बजे उसका जेट रॉबि शराब के नशे में उसके पति मोहित कुमार के साथ गली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर रवि ने मोहित के पेट में चाकू मार दिया, जिससे वह लहलुहान होकर घायल हो गया। आरोप है कि बीच-बचाव करने पर आरोपी ने पीड़िता के साथ भी लात-धूंसों से मारपीट की। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस ने घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सा कौन है प्राथमिक उपचार के बाद घायल को रणधीर अस्थथा में जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। सोमवार को पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

गोरे दाऊजी मंदिर में गूंजे राधा-कृष्ण के भजन, भक्ति में डूबे साधु- संत

डोल-मृदंग की थाप पर झूमे संत, भजनों से भक्तिमय हुआ गोरे दाऊजी धाम



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जनपद के मांट गांव स्थित प्राचीन गोरे दाऊजी मंदिर परिसर में सोमवार को साधु-संतों के भजन-कीर्तन से माहौल भक्तिमय हो गया। मंदिर प्रांगण में डोल और मृदंग की धुन पर साधु-संतों ने राधा-कृष्ण के भजनों का गायन किया। भजनों की मधुर स्वर लहरियों से मंदिर परिसर ढेर तक गूंजता रहा। संतों द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीतों पर श्रद्धालु भी भाव-विभोर नजर आए। डोल-मृदंग

की थाप के बीच श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण के जयकारे लगाए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गोरे दाऊजी महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और भजन-कीर्तन में सहभागिता की। सेवायत गोपाल दास बाबा ने बताया कि गोरे दाऊजी महाराज के दरबार में भजन-कीर्तन और संतों का संग श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। भक्ति और सत्संग से मन को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि मंदिर में होने वाले धार्मिक आयोजनों में संतों और

श्रद्धालुओं की सहभागिता से वातावरण और अधिक भक्तिमय हो जाता है। भजन-कीर्तन के दौरान मंदिर परिसर में ढेर तक आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। साधु-संतों के साथ श्रद्धालुओं ने भी भक्ति रस का आनंद लिया और राधा-कृष्ण की भक्ति में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर एडवोकेट श्याम दास, प्रदीप मंडल, निशिकांत नायक, नवकुमार मंडल, कृष्णा दास, किशन पोयरा, मधुनेया, उमेश बंसल, सौरव सक्सेना, संजू आदि मौजूद थे।

बाइक की मामूली साइड लगने पर युवक से की गई मारपीट

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। कस्बे में पंजाब नेशनल बैंक के समीप बाइक की मामूली साइड लगने को लेकर चार युवकों ने एक युवक के साथ डंडों से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। शोर-शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। नगर के मोहल्ला खेल निवासी आसिफ ने बताया कि वह सोमवार को किसी काम से पंजाब नेशनल बैंक के पास गया था। इसी दौरान उसकी बाइक की साइड एक कार सवार से मामूली रूप से लग गई। आरोप है कि इसके बाद कार सवार ने अपने तीन साथियों को बुला लिया और चारों ने उसके साथ डंडों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में वह घायल हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर

दहेज में बुलेट और दो लाख रुपये की मांग, विवाहिता से मारपीट का आरोप

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान निवासी विवाहिता ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट, देवर पर छेड़छाड़ व अश्लील हरकत करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। विवाहिता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान निवासी विवाहिता ने बताया कि उसका निकाह 21 मार्च 2021 की गांव गढ़ीदौलत निवासी वासिफ के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के करीब एक साल बाद पति वासिफ, ससा इमराना, ससुर आरिफ, देवर रेहान और ननद अक्शा ने दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल और दो लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। पति के कुवैत जाने के बाद ससुराल पक्ष ने उसे और परेशान किया। आरोप है कि

देवर ने गलत नीयत से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। 28 जुलाई को मारपीट कर एक माह में दहेज नहीं लाने पर तलाक की धमकी दी गई। विवाहिता का आरोप है कि छह सितंबर की रात पति ने कुवैत से फोन कर तीन बार तलाक बोलकर फोन काट दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार विवाहिता की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच में दोषी पाए जाने वाले आरोपियों के खिलाफ निम्नानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दो बाइको की आमने-सामने की टक्कर तीन घायल, जिला अस्पताल रेफर

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा में दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जनपद बागपत के गांव कंडेरा निवासी अमित कुमार बाइक से निजी कार्य से भभीसा आ रहा था। गांव के समीप पहुंचते ही सामने से आ रही दूसरी बाइक से उसकी टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से अमित को सीएचसी में भर्ती कराया गया। दूसरी बाइक सवार दो घायलों को डायल-112 पुलिस की मदद से निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने अमित को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

ध्रुव की अटूट भक्ति से अजामिल उद्धार तक, सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा में बही भक्तिकी अविरल धारा

व्यासपीठ से गजेंद्रमुखी पीताधीश्वर मनीष पूणार्नद महाराज ने की भक्तिरस की वर्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गोवर्धन। परम पावन गोवर्धन धाम स्थित गजेंद्रमुखी आश्रम में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के तृतीय दिवस श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। गिरिराज धरण की जय-जयकार और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कथा का शुभारंभ हुआ। कथा पंडाल में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालु भगवान की भक्ति में भाव-विभोर नजर आए। कथा के तृतीय दिवस महाराज श्री ने ध्रुव चरित्र का मार्मिक वर्णन करते हुए बताया कि मात्र पांच वर्ष की आयु में ध्रुव ने अपनी अटूट भक्ति और हट्ट संकल्प के बल पर भगवान को प्राप्त किया। महाराज श्री ने कहा कि मनुष्य को परिस्थितियां कैसी भी मिलें,



भगवान की भक्ति और स्मरण का मार्ग कभी नहीं छोड़ना चाहिए। कथा के दौरान महाराज श्री की प्रत्येक वाणी पर पंडाल में ‘राधे-राधे’ और ‘गिरिराज महाराज की जय’ के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालु भक्ति रस में डूबकर कथा का श्रवण करते रहे। कथा विश्राम से पूर्व श्री गजेंद्रमुखी गिरिराज मंदिर के सेवायत श्री बंसी कृष्ण जी महाराज ने

अपने मधुर एवं सारगर्भित प्रवचनों से श्रद्धालुओं को गोवर्धन धाम की महिमा और गिरिराज महाराज की कृपा का भावपूर्ण स्मरण कराया। भागवत कथा में गोवर्धन, मथुरा, वृंदावन सहित दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कथा रूपी अमृत का पान किया। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक आनंद का वातावरण बना

रहा। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक श्री गजेंद्रमुखी आश्रम, गोवर्धन में चल रही है। इस अवसर पर बंसी कृष्ण महाराज, व्यापार मंडल अध्यक्ष गणेश पहलवान, डॉक्टर हरेंद्र गुप्ता, डॉक्टर सुरेश चंद्र अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, राजेश पाठक, विष्णु सैनी, राम, कुसुम रानी, गीतिका पहलवान उपस्थित रहे।

श्री सत्य साई बाबा जी का प्रेम प्रवाहनी रथ का मोदीनगर में भव्य स्वागत किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री सत्य साई बाबा जी का प्रेम प्रवाहनी रथ मोदीनगर में पहुंचने पर उनके डिबोटीज ने भव्य स्वागत किया। मुख्य आयोजन दिल्ली- मेरठ नेशनल हाईवे पर गांव सीकरी कला के पास स्थित नेशनल फिलिंग सेंटर के मालिक स्व यशपाल गुप्ता जी के राधा रानी गार्डन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिल्ली, गाजियाबाद, मोदीनगर, मेरठ और आसपास के इलाकों के श्री सत्य साई बाबा के भक्त शामिल हुए। बाबा का प्रेम प्रवाहिनी रथ सुबह



करीब 8:30 बजे मोदीनगर के प्रसिद्ध नाथ स्वीट्स वालों के सोना एनक्लेव स्थित निवास पर पहुंचा रथ के स्वागत के लिए सुबह से वहां बाबा के भक्त

मलिक बाबा के भक्त कपिल गुप्ता उनकी पत्नी इंदू गुप्ता, बेटी शिवांगी गुप्ता, उनके नाते रिश्तेदारों और बाबा के भक्तों ने आरती की। इस मौके पर बाबा के डिबोटीज(भक्तों) ने वेद पाठ, सुंदर-सुंदर भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। भजनों का कार्यक्रम चार घंटों से भी अधिक चला। यहां पहुंचे बाबा के भक्तों ने रथ को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के समापन के बाद रथ नेशनल फिलिंग सेंटर पर पहुंचा, वहां कुछ देर रुकने के बाद रथ अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गया। कपिल

गुप्ता उनकी पत्नी हिंदू गुप्ता की ओर से भक्तों के लिए बहुत सुंदर भोजन-प्रसाद की व्यवस्था की गई। इनका परिवार पिछले छह दशक से भी अधिक समय से सत्य साई बाबा का अनुयायी है। सत्य साई बाबा का रथ पिछले वर्ष दस नवंबर को आंध्र प्रदेश के पुद्दुपथी से रवाना हुआ था देश के कई शहरों में होता हुआ इसे नेपाल पहुंचना था लेकिन वह बाढ़ आदि आने के चलते वहां का कार्यक्रम कर दिया गया। उसके बाद रथ के स्वागत सम्मान का अवसर मोदीनगर के बाबा के भक्तों को मिला।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों ने अपने द्वितीय चरण के आंदोलन के तहत काला फीता बांधकर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया। इस विरोध प्रदर्शन में जनपद गाजियाबाद के समस्त एन एच एम कर्मचारी शामिल रहे। जिसमें एम एम जी , समस्त अर्बन पी एच सी ,सी एच सी,

मुरादनगर, मोदीनगर, भोजपुर, बम्हेटा, डी सी एच संजय नगर आदि के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। एन एच एम कर्मचारी संघ जनपद गाजियाबाद की जिला अध्यक्ष हिमानी कौशिक एवं जिला महामंत्री डॉक्टर चेतन वर्मा ने बताया कि कर्मचारियों की जब तक सरकारी हमारी 'समान कार्य - समान वेतन' और नियमितकरण की मांगों को पूरा नहीं करती, तब तक हमारा यह विरोध प्रदर्शन निरंतर जारी रहेगा।

एक माह में करीब 15 विद्यालयों में चोरी, मुरादनगर में भी कई स्कूल बने निशाना, शिक्षकों में बढ़ी सुरक्षा को लेकर चिंता

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद के परिषदीय विद्यालयों में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोर विद्यालयों में लगे पंखे, इन्वर्टर, बैटरी, विद्युत उपकरण, स्मार्ट कक्षा से जुड़ी सामग्री, रसोई के सामान और अन्य शैक्षिक संसाधनों को निशाना बना रहे हैं। चोरी की लगातार बढ़ती घटनाओं से जहां सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई गई सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं। कई विद्यालयों में चोरी के कारण शिक्षण कार्य और स्मार्ट कक्षा जैसी गतिविधियों में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। इस संबंध में सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांद्रड को ज्ञापन सौंपकर परिषदीय विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ कराने की मांग की है। जिलामंत्री, प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय रविन्द्र कुमार मांद्रड के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा



गया कि जनपद के विभिन्न विकासखंडों में पिछले कुछ समय से विद्यालयों में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। विशेष रूप से लोनी और मुरादनगर विकासखंड के विद्यालय चोरों के निशाने पर हैं। डॉ. अनुज त्यागी ने बताया कि लोनी विकासखंड में पिछले एक माह के दौरान करीब 15 परिषदीय विद्यालयों में चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। वहीं कंपोजिट विद्यालय मीरपुर हिन्दू, लोनी में तो दो बार चोरी की घटना हो चुकी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था किस स्थिति में है। उन्होंने कहा कि बार-बार चोरी होने के बावजूद यदि प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई तो

विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों को सुरक्षित रखना मुश्किल होगा। शिक्षक संघ के अनुसार प्राथमिक विद्यालय सिकरानी, प्राथमिक विद्यालय चिरोड़ी नंबर-2, प्राथमिक विद्यालय खरखड़ा, प्राथमिक विद्यालय शकलपुरा, उच्च प्राथमिक विद्यालय चिरोड़ी, प्राथमिक विद्यालय मेवला भट्टा नंबर-1, प्राथमिक विद्यालय शकलपुरा नंबर-1, प्राथमिक विद्यालय भनेड़ा खुर्द, प्राथमिक विद्यालय निस्तौली, कंपोजिट विद्यालय अफजलपुर, प्राथमिक विद्यालय फरुखनगर, उच्च प्राथमिक विद्यालय निस्तौली और कंपोजिट विद्यालय कोतवालपुर सहित कई विद्यालयों में चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं।



कुलाधिपति डॉ. डी.के. मोदी ने अपने आशीर्वाचन में सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों का मोदी परिवार में हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि चरित्र, करियर और भविष्य निर्माण का मंच है। उन्होंने छात्रों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित

किया। कुलपति डॉ. पी.एन. हर्षिकेश ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय जीवन सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहाँ ज्ञान प्राप्त, कौशल और अनुशासन पर ध्यान देकर अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं। कुलसचिव श्री यू.एन. मिश्रा जी ने भी नवागत छात्रों का स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन

भारतीय किसान मजदूर मोर्चा ने 6 सूत्रीय मांगों को लेकर शुरु किया धरना



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बस अड्डा मोदीनगर के सामने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के सामने भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले 6 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना शुरू कर दिया गया। धरने की अध्यक्षता महावीर भडाना ने की व संचालन राहुल कलछीना ने किया। धरने को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से

संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सारी मांग जायज है और क्षेत्र की जनता इन सभी परेशानियों से त्रस्त है और जनप्रतिनिधियों को इनका संज्ञान लेते हुए जल्द से जल्द मांग पूरी करी जाए। मोर्चे के अध्यक्ष डॉ बबली गुर्जर ने कहा कि आज धरने का पहला दिन है। बड़ी संख्या में लोग धरने में उपस्थित रहे। दो दिन के बाद धरने पर कमीक अंशान शुरू कर दिया जाएगा। धरने में मुख्य रूप से टीकमसिंह सभासद मास्टर धर्मवीर सभासद, गुलाब सिंह, सुंदर सिंह, बलबीर भडाना, हर्ष मलिक, प्रेमचंद शर्मा, प्रशांत गुर्जर जॉनी नहीं, बल्कि सोसाइटी में पुरानी टीम द्वारा किए गए कार्यों और उसके प्रति

दिनेश कुमार गोयल द्वारा अपार जनसमूह समर्थकों के साथ किया पर्चा दायित्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विधान परिषद सदस्य चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी दिनेश कुमार गोयल समर्थकों के साथ मेरठ के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर मेयर सुनीता दयाल, सांसद अतुल गर्ग, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा, राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, बागपत सांसद डॉ राजकुमार सागवान, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, क्षेत्रीय महामंत्री अशोक मोंगा, पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, शहर विधायक संजीव शर्मा, पूर्व मेयर आशु वर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा, भाजपा नेता पवन गोयल, डॉ. वीरेश्वर त्यागी,



पार्षद अमित त्यागी, केके शुक्ला, रोबिन सांगवान, अतुल जैन, सुभाष गर्ग, प्रदीप चौहान, पार्षद पीयूष नागर समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे। नामांकन से पहले दिनेश कुमार गोयल ने प्राचीन दूधेश्वर नाथ मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद परिवार के साथ हवन-पूजन कर चुनाव और जनसेवा के संकल्प के लिए आशीर्वाद

मांगा। समर्थकों ने विश्वास जताया कि दिनेश गोयल इस बार मजबूत जीत दर्ज करेंगे। साथ ही नामांकन कार्यक्रम के अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं से आत्मीय भेंट हुई। इस दौरान आगामी चुनाव की तैयारियों, संगठनात्मक विषयों एवं कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर संवाद हुआ। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह, स्नेह और सहयोग सदैव नई ऊर्जा प्रदान करता है।

ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री ने पंडित अशोक कुमार शर्मा का किया सम्मान



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज के कार्यालय पर पंडित अशोक कुमार शर्मा ग्राम ढिडाला मेरठ का आगमन हुआ। भारद्वाज ने उन्हें भगवान परशुराम का चित्र एवं पंचांग देकर सम्मानित किया। शिव मोहन भारद्वाज ने बताया कि पंडित अशोक कुमार शर्मा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के

सदस्य है। शुक्रताल में आयोजित राष्ट्रीय कार्य समिति में कुछ पारिवारिक कारण से उपस्थित नहीं हुए थे। इसलिए आज आकर उन्होंने राष्ट्रीय महामंत्री से आग्रह किया कि मैं आगामी सभी कार्यकारी समिति में सदैव उपस्थित रहूँगा। राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने उनका सम्मान किया और भविष्य में होने वाली कार्य समिति में तथा समाज के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहित किया।

पंचशील प्राइम रोज में फिर चला पुरानी टीम का जादू अपार्टमेंट ओनर्स समिति के चुनाव में नौ प्रत्याशियों ने दर्ज की शानदार जीत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गोविंदपुरम स्थित पंचशील प्राइम रोज सोसाइटी में रविवार को अपार्टमेंट ओनर्स समिति का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव परिणाम में एक बार फिर पुरानी टीम ने अपना दबदबा कायम रखते हुए 'टीम पंचशील नवनिर्माण' के बैनर तले पूर्ण बहुमत के साथ शानदार जीत दर्ज की। परिणाम सामने आने के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों और सोसाइटी के निवासियों में उत्साह का माहौल रहा। चुनाव में अखिलेश कुमार कंसल, आलोक सिंघल, गुरुराम सिंह, जितेंद्र कुमार गुप्ता, लीना गुप्ता, नीरज गुप्ता, राम दत्ता श्रीवास्तव और उर्वशी गुप्ता सहित टीम पंचशील नवनिर्माण के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। विजयी प्रत्याशियों के पक्ष में सोसाइटी के निवासियों ने अपना विश्वास जताते हुए उन्हें समिति की जिम्मेदारी सौंपी। निवासियों का कहना है कि चुनाव परिणाम केवल जीत-हार का आंकड़ा नहीं, बल्कि सोसाइटी में पुरानी टीम द्वारा किए गए कार्यों और उसके प्रति



निवासियों के भरोसे को भी दर्शाता है। मतदाताओं ने पढ़े-लिखे, मिलनसार, संस्कारी और बेहतर व्यवहार रखने वाले प्रत्याशियों को प्राथमिकता देते हुए उनके पक्ष में मतदान किया। पुरानी टीम की जीत के बाद सोसाइटी के निवासियों को उम्मीद है कि नई समिति क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के साथ सुरक्षा, साफ-सफाई, रखरखाव और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाएगी। निवासियों ने विजयी प्रत्याशियों से सभी लोगों को साथ लेकर पारदर्शित और आपसी समन्वय के साथ काम करने की अपेक्षा जताई। टीम पंचशील नवनिर्माण की जीत पर सोसाइटी के लोगों ने सभी विजयी

प्रत्याशियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विजयी टीम की ओर से भी निवासियों के विश्वास के प्रति आभार जताते हुए कहा गया कि समिति सभी निवासियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सोसाइटी के विकास और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेगी। चुनाव परिणाम के बाद समर्थकों ने विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि पुरानी टीम अपने अनुभव के आधार पर सोसाइटी को और बेहतर बनाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएगी। सोसाइटी में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए चुनाव के बाद अनेक निवासियों की निगाहें नई समिति के आगामी कार्यों पर टिकी हैं।

यादों की महफिल में फिर जुटा आईटीएस परिवार, पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव

पूर्व छात्रों और वर्तमान विद्यार्थियों के बीच संवाद से मजबूत हुआ संस्थान से जुड़ाव

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मोहन नगर की ओर से शनिवार को पीजीडीएम एवं पीजीडीएम-आरएम के पूर्व छात्र-छात्राओं के लिए एलुमनाई मीट-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 1997 से 2024 तक के विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र-छात्राओं, संस्थान के शिक्षकों और वर्तमान विद्यार्थियों ने भाग लिया। लंबे समय बाद एक मंच पर जुटे आईटीएस परिवार के सदस्यों ने पुरानी यादें ताजा करने के साथ अपने अनुभव साझा किए और संस्थान से अपने जुड़ाव को और मजबूत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के पदाधिकारियों एवं पूर्व छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. अजय



कुमार ने स्वागत संबोधन में सभी पूर्व छात्र-छात्राओं का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान उसके विद्यार्थियों की उपलब्धियों और संस्थान से उनके निरंतर जुड़ाव से होती है। एलुमनाई मीट पूर्व छात्रों को अपने संस्थान से दोबारा जुड़ने और नई पीढ़ी के विद्यार्थियों के साथ अनुभव साझा

करने का बेहतर अवसर प्रदान करती है। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने सभी पूर्व छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विभिन्न बैचों का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व छात्र-छात्राओं के सम्मान एवं अभिनंदन के लिए विशेष सम्मान समारोह आयोजित

किया गया। पूर्व छात्रों ने अपने संस्थान में बिताए समय को याद करते हुए पुरानी स्मृतियां साझा कीं और संस्थान की शैक्षणिक यात्रा से जुड़े अनुभवों को सामने रखा। कार्यक्रम में गणेश वंदना और समूह नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। पूर्व छात्र-छात्राओं और वर्तमान विद्यार्थियों

के लिए आयोजित संवादात्मक खेलों ने भी कार्यक्रम में खूब रंग जमाया। खेलों और मनोरंजन गतिविधियों के दौरान पूर्व छात्रों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे दोनों पीढ़ियों के बीच आत्मीय संवाद और सौहार्द की भावना मजबूत हुई। एलुमनाई मीट का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण पूर्व छात्र-छात्राओं का अनुभव-साझाकरण सत्र रहा। इसमें पूर्व छात्रों ने अपने विद्यार्थी जीवन की यादों के साथ शिक्षा और कार्यक्षेत्र में प्राप्त अनुभवों को साझा किया। उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों को अपने करियर और पेशेवर जीवन से जुड़े उपयोगी सुझाव भी दिए। इस दौरान विद्यार्थियों को पूर्व छात्रों से सीधे संवाद करने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिला। कार्यक्रम के अंतर्गत पीजीडीएम की चेयरपर्सन डॉ. डी.के. पांडेय की अध्यक्षता में जनरल बॉडी मीटिंग भी आयोजित हुई।

वीडियो कॉल पर बोला-देख, आधी कर दी है... आकर इसे उठा ले

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मधुवन बापूश्याम थाना क्षेत्र के सदरपुर में रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। आरोप है कि पति ने 33 वर्षीय पत्नी की बेरहमी से पिटाई करने के बाद उसके सिर पर भारी वस्तु से वार कर हत्या कर दी। वारदात के दौरान आरोपी ने महिला के भाई को वीडियो कॉल कर उसकी हालत दिखाई और कथित तौर पर कहा, "देख, आधी कर दी है, आओ और इसे उठाकर ले जाओ। इसे इसके बाद आरोपी घर पर ताला लगाकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने अस्पताल में महिला को मृत पाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपी पति की तलाश शुरू कर दी है। अलीगढ़ के थाना पिसावा क्षेत्र के गांव जलालपुर निवासी नरेंद्र सिंह ने अपनी बेटी रेनु की शादी वर्ष 2011 में सदरपुर निवासी अरुण के साथ की थी। मायके पक्ष का आरोप है कि अरुण शराब पीने का आदी था और आए दिन रेनु के साथ मारपीट



करता था। रविवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ। आरोप है कि इसी दौरान अरुण ने रेनु के साथ जमकर मारपीट की और उसके सिर पर भारी वस्तु से कई बार किए। सिर पर चोट के कई निशान होने की बात भी सामने आई है। हालांकि हत्या में इस्तेमाल वस्तु और घटना की वास्तविक परिस्थितियां पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होंगी। राहुल ने पति अरुण समेत अन्य सदस्यों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। आसपास के लोगों से पूछाखछ के साथ ही आरोपी पति की तलाश में दबिश दी जा रही है।

लाजपत नगर में दशहरे की तैयारी के दौरान जोरदार धमाका, पांच घायल

रावण के पुतले की सामग्री तैयार करते वक्त धमाका



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के लाजपत नगर में सोमवार सुबह दशहरे के लिए बम और रावण के पुतले में इस्तेमाल होने वाली सामग्री तैयार किए जाने के दौरान अचानक जोरदार धमाका हो गया।

धमाके की आवाज सुनकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी



मच गई। हादसे में पांच लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने



घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही



एसीपी अमित सक्सेना के नेतृत्व में पुलिस टीम और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने

घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि वहां दशहरे के लिए पटाखे अथवा संबंधित सामग्री तैयार की जा रही थी। हालांकि धमाका किस कारण हुआ और मौके पर किस प्रकार की सामग्री मौजूद थी, इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद होगी। पुलिस अनुमति और सुरक्षा मानकों की भी जांच कर रही है।

पलैट-दुकान बुकिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी, वांछित महिला गिरफ्तार



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नन्दग्राम थाना पुलिस ने पलैट और दुकान बुकिंग के नाम पर निवेशकों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में वांछित महिला अभियुक्ता सारिका शर्मा (44) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मामले में पहले ही 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के मुताबिक, M/s ASR Realtech Limited और M/s Right Earth Infra LLP की परियोजनाओं में

पलैट व दुकानों की बुकिंग के नाम पर निवेशकों से रकम ली गई थी। इस संबंध में 16 जुलाई 2026 को नन्दग्राम थाने में मुकदमा संख्या 428/26 दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने बैंक खातों और अन्य दस्तावेजों की जांच की। जांच में सामने आया कि निवेशकों से प्राप्त धनराशि का कुछ हिस्सा सारिका शर्मा के बैंक खातों में भी पहुंचा था। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने उसकी सलिपता पाए जाने पर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

जनसुनवाई में डीएम ने सुनी फरियादियों की पुकार, बोले- लापरवाही हुई तो होगी कार्रवाई



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मोंदड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी

शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गरीब, पीड़ित, दिव्यांग, बुजुर्ग एवं बेसहारा लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान



कराया जाए। साथ ही पात्र लाभार्थियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने हुए प्रभावी कार्रवाई की जाए। डीएम ने स्पष्ट किया

कि किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान एडीएम प्रशासन, एडीएम नगर, सिटी मजिस्ट्रेट सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीचंद शर्मा के नामांकन में उमड़ा समर्थकों का सैलाब, ऐतिहासिक जीत का किया दावा



कपिल चौहान

गौतमबुद्ध नगर (वेलकम इंडिया)। मेरठ-सहारनपुर खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से लोकप्रिय विधायक एवं प्रत्याशी श्री श्रीचंद शर्मा के नामांकन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं शिक्षक शामिल हुए। नामांकन से पूर्व दादरी स्थित उनके आवास एवं कॉलेज परिसर में आयोजित हवन-पूजन में शामिल

होकर समर्थकों ने उनकी प्रचंड विजय और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसके बाद दादरी से मेरठ के लिए कार्यकर्ता पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ रवाना हुए। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि श्रीचंद शर्मा शिक्षक समाज के हितों के लिए निरंतर कार्य करने वाले जनप्रतिनिधि हैं। उनके ओजस्वी नेतृत्व और शिक्षकों के मान-सम्मान के लिए किए जा रहे प्रयासों से क्षेत्र

में उनका व्यापक जनसमर्थन है। नामांकन कार्यक्रम में उमड़ी भारी भीड़ ने चुनावी माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। समर्थकों ने दावा किया कि शिक्षक समाज के बीच श्रीचंद शर्मा की मजबूत पकड़ और जनसमर्थन उन्हें ऐतिहासिक मतों से विजय दिलाएगा। कार्यक्रमों ने उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने के लिए पूरी निष्ठा से जुटने का संकल्प लिया।

बेटी के सामने पत्नी का गला घोंटा, फिर हो गया फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के जनकपुरी इलाके में प्रेम संबंधों के शक ने एक परिवार को उजाड़ दिया। आरोपी पति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पुछताछ में स्वीकार किया है कि उसने पत्नी को अपनी बेटी के सामने ही मारा था। वारदात के बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। रविवार को पुलिस ने आरोपी पति प्रेम कुमार को गिरफ्तार कर लिया। मूलरूप से हरदोई के पचकोरा निवासी संतोषी देवी जनकपुरी में किराये के मकान में रहती हैं। इसी मकान के दूसरे कमरे में उनकी बेटी प्रेमवती अपने पति प्रेम कुमार और चार बच्चों के साथ रहती थीं। प्रेम कुमार मजदूरी करता है।

संतोषी देवी का आरोप है कि प्रेम कुमार शराब पीने का आदी है और नशे में अक्सर उनकी बेटी के साथ मारपीट करता था। संतोषी देवी के मुताबिक, 15 सितंबर की रात प्रेम कुमार नशे की हालत में घर पहुंचा और पत्नी प्रेमवती से झगड़ा करने लगा। दोनों के बीच विवाद की आवाज दूसरे कमरे तक सुनाई दे रही थी। इसी दौरान प्रेमवती की तेज चीख सुनाई दी। संतोषी देवी दौड़कर बेटी के कमरे में पहुंचीं, लेकिन तब तक प्रेम कुमार वहां से भाग चुका था। कमरे में प्रेमवती जमीन पर पड़ी थी। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में प्रेमवती की मौत गला दबाने के कारण होने की पुष्टि हुई।

फरियादियों की शिकायतों पर एसीपी सख्त, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध श्री केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचे फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक



जानकारी प्राप्त की और समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। एसीपी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। शिकायतों की जांच नियमानुसार करते

हुए प्रभावी कार्रवाई की जाए और पीड़ितों को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की प्रगति की नियमित निगरानी करने तथा निस्तारण की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। पुलिस अधिकारियों ने फरियादियों को उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।

जिले के बड़े अधिकारियों के निवास और कार्यालय, फिर भी RDC की ट्रैफिक व्यवस्था बेहाल

कलेक्ट्रेट, जिला न्यायालय और वरिष्ठ अधिकारियों के निवास-कार्यालय वाले महत्वपूर्ण क्षेत्र में जाम बना मुसीबत, ट्रैफिक पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर के प्रमुख व्यावसायिक और प्रशासनिक क्षेत्र आरडीसी राजनगर में यातायात व्यवस्था लगातार सवाल के घेरे में है। आए दिन लगने वाले जाम से व्यापारियों, स्थानीय निवासियों और यहां आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजनगर क्षेत्र में कलेक्ट्रेट सहित जिले के कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय हैं। वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के निवास और



कार्यालय भी इसी क्षेत्र में हैं तथा जिला न्यायालय भी यहां स्थित है।

इसके बावजूद यदि आरडीसी जैसे महत्वपूर्ण इलाके में यातायात

व्यवस्था बदहाल रहे और पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस नजर न आए, तो यह बेहद अशोभनीय और चिंताजनक स्थिति है। कई बार जाम खुलवाने की जिम्मेदारी स्थानीय चौकी पुलिस को सौंपालनी पड़ रही है। सवाल यह है कि जब यातायात व्यवस्था के लिए अलग से ट्रैफिक पुलिस तैनात है, तो आरडीसी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में उसकी नियमित और प्रभावी मौजूदगी क्यों नजर नहीं आती? आरडीसी की ट्रैफिक समस्या कई बार सामने आ चुकी है, लेकिन इसके

बावजूद स्थायी सुधार दिखाई नहीं दे रहा। जब जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निवास और कार्यालयों के आसपास ही यातायात व्यवस्था का यह हाल है, तो शहर के अन्य क्षेत्रों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। आरडीसी में नियमित ट्रैफिक पुलिस की तैनाती और जाम वाले प्रमुख स्थानों पर प्रभावी व्यवस्था किए जाने की जरूरत है, ताकि आम जनता और व्यापारियों को रोजाना की परेशानी से राहत मिल सके।

एम्बुलेंस पर परिवहन विभाग का शिकंजा, 26 के चालान, 6 वाहन सीज



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मरीजों की सुरक्षा से खिलवाड़ और नियम विरुद्ध संचालित एम्बुलेंस वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सोमवार को विशेष अभियान चलाया। विभागीय प्रवर्तन टीमों ने जिले के विभिन्न अस्पतालों, निजी चिकित्सा संस्थानों और प्रमुख मार्गों



पर एम्बुलेंस वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान वाहनों के पंजीकरण, फिटनेस, बीमा, परमिट और निर्धारित सुरक्षा मानकों की जांच की गई। जांच में नियमों का उल्लंघन मिलने पर 26 एम्बुलेंस वाहनों के चालान किए गए, जबकि अनधिकृत एवं अनियमित रूप से संचालित 6 एम्बुलेंस वाहनों को सीज कर दिया गया। संबंधित वाहनों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की

जा रही है। परिवहन विभाग ने निजी अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिया कि उनके स्वामित्व या अनुबंध पर संचालित एम्बुलेंस वैध दस्तावेजों और निर्धारित मानकों के अनुरूप ही चलें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आपातकालीन सेवा से जुड़े वाहनों में नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं होगी। अभियान आगे भी जारी रहेगा।